हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 107 | जौनपुर, शुक्रवार 12 जनवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

लोकसभा चुनाव से पहले मुंबई वासियों को पीएम मोदी की बड़ी सौगात, आज करेंगे अटल सेतु का उद्घाटन

एजेन्सी

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव से पहले मुंबई को बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। पीएम मोदी कल यानी शुक्रवार को भारत के सबसे लंबे ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। मुंबई और नवी मुंबई के बीच बने मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक के साथ–साथ पीएम मोदी अन्य कई परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक को अटल बिहारी वाजपेयी सेवारी –न्हावा शेवा 'अटल सेतु नाम दिया गया है। भारत में निर्मित सबसे लंबा पुल और सबसे लंबा समुद्री पुल भी है। इस पुल का शिलान्यास भी दिसंबर 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने किया था।

पीएमओ ने कहा कि अटल सेतु का निर्माण कुल 17,840 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया गया है, यह लगभग 21.8 किमी लंबा 6–लेन पुल है जिसकी लंबाई समुद्र के ऊपर लगभग 16.5 किमी और जमीन पर लगभग 5.5 किमी है। यह मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को तेज कनेक्टिविटी प्रदान करेगा और मुंबई से पुणे, गोवा और दक्षिण भारत की यात्रा के समय को भी कम करेगा। अधिकारियों ने कहा कि इससे मुंबई बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह के बीच कनेक्टिविटी में भी सुधार होगा। पीएम नवी मुंबई में सार्वजनिक कार्यक्रम में 12,700 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पित और शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री ईस्टर्न फ्रीवे के ऑरेंज गेट को मरीन ड्राइव से जोड़ने वाली भूमिगत सड़क सुरंग की आधारशिला रखेंगे। अधिकारियों ने कहा कि 9.2 किलोमीटर लंबी सुरंग 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनाई जाएगी और यह मुंबई में एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा विकास होगा, जिससे ऑरेंज गेट और मरीन ड्राइव के बीच यात्रा का समय कम हो जाएगा। प्रधानमंत्री सूर्या क्षेत्रीय थोक पेयजल परियोजना का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि 1,975 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित यह परियोजना महाराष्ट्र के पालघर और ठाणे जिले को पेयजल आपूर्ति प्रदान करेगी, जिससे लगभग 14 लाख आबादी को लाभ होगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री करीब 2,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें श्उरण–खारकोपर रेलवे लाइन के चरण 2 का समर्पण शामिल है, जो नवी मुंबई से कनेक्टिविटी बढ़ाएगा क्योंकि नेरुलध्बेलापुर से खारकोपर के बीच चलने वाली उपनगरीय सेवाओं को अब उरण तक बढ़ाया जाएगा। राष्ट्र को समर्पित की जाने वाली अन्य रेल परियोजनाओं में ठाणे–वाशीध्पनवेल ट्रांस–हार्बर लाइन पर एक नया उपनगरीय स्टेशन दीघा गांव और खार रोड और गोरेगांव रेलवे स्टेशन के बीच नई 6वीं लाइन शामिल है। इन परियोजनाओं से मुंबई के हजारों दैनिक यात्रियों को लाभ होगा।

युवाओं की ताकत पर अर्थव्यवस्था में मजबूती आई : नरेन्द्र मोदी

भारत से ही होकर जाता है विश्व कल्याण का रास्ता : योगी आदित्यनाथ

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में शुक्रवार को युवा दिवस पर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को लाइव देखा गया। इस दौरान नासिक में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि युवाओं के ताकत पर ही भारत दुनिया कि पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में आया है। आज का ये दिन भारत की युवाशक्ति का दिन है। ये दिन उस महापुरुष को समर्पित है जिसने गुलामी के कालखंड में भारत को नई ऊर्जा से भर दिया था। ये मेरा सौभाग्य है कि स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मैं आप सब नौजवानों के बीच नासिक में हूं। स्वामी विवेकानंद जी भी कहते थे कि भारत की उम्मीदें भारत के युवाओं के चरित्र और उनकी प्रतिबद्धता पर टिकी है। स्वामी विवेकानंद का ये मार्गदर्शन आज 2024 में भारत के युवा के लिए बहुत बड़ी प्रेरणा है।

लखनऊ में एकेटीयू में युवा दिवस के तहत आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को टैबलेट वितरित किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने पूरी दुनिया को राह दिखाई है। किसी भी समस्या का हल उस पर विचार करके हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्व कल्याण का रास्ता भारत से ही निकलता है। युवाओं को संबोधित करते हुए कहा आने वाला समय युवाओं का है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले यूपी के युवा अपनी पहचान छिपाते थे, अब यूपी के युवा बेहतर कानून व्यवस्था के चलते खुल कर अपना परिचय दे पाते हैं। इस बीच मिशन शक्ति और राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से भी कई कार्यक्रम किए गए। इस मौके पर विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित पुस्तक 'व्यक्तित्व का विकास' कुलसचिव, वित्त अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक द्वारा वितरित की गई। इस मौके पर कुलसचिव महेन्द्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, परीक्षा नियंत्रक अजीत प्रताप सिंह, उप कुलसचिव बबिता सिंह, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. बीडी शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, डॉ. प्रमोद यादव, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. राजकुमार, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ. गिरधर मिश्र, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. अमित वत्स, डॉ. इंद्रेश कुमार, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, आदि मौजूद रहे।

चुनाव आयोग की वेबसाइट का नया संस्करण लॉन्च

एजेन्सी

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने अपनी वेबसाइट का गुरुवार को नया संस्करण लॉन्च किया। आयोग की यह वेबसाइट नियमित रूप से प्रकाशित प्रेस विज्ञप्तियों, संचार, निर्देशों और रिपोर्टों के माध्यम से आयोग की विभिन्न पहलों और गतिविधियों का प्रतिबिंब होगी। आयोग पारदर्शिता का भी सूचक है और समय–समय पर संबंधित हितधारकों के साथ सभी प्रासंगिक जानकारी साझा करता है, चाहे वह मतदाता हों या राजनीतिक दल या चुनाव प्रबंधन अधिकारी हों। आयोग की वेबसाइट सूचनाओं का भंडार है, जो भारत में चुनावों की योजना और संचालन से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी रखती है। इसमें 1951 से अब तक हुये चुनावों (संसदीय और राज्य विधानसभाओं) का विवरण है। वेबसाइट पर इन चुनावों के परिणामों के बारे में भी जानकारी साझा की गयी है। बेहतर अनुभव और सूचना तक आसान पहुंच के लिये आयोग की वेबसाइट को पुनः डिजाइन किया गया है। इसे हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करके डिजाइन किया गया है। वेबसाइट के नये संस्करण में निर्वाचकों मतदाताओं, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिये एक विशेष अनुभाग है, जहां एक ही स्थान पर, वे सभी सूचनाओं, सेवाओं तक पहुंच प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि आईटी प्लेटफॉर्म और ऐप उनकी सुविधा के लिये डिजाइन किये गये हैं।

ई - लाटरी से कृषि यंत्रों हेतु 203 कृषको का हुआ चयन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित 15 सदस्यीय जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति की निगरानी में शुक्रवार को मा0 काशीराम सामुदायिक भवन में 203 लक्ष्य के सापेक्ष कृषि यंत्रों हेतु ई–लाटरी के माध्यम से 203 कृषको का पारदर्शी तरीके से चयन किया गया। एलईडी लगाकर पहले किसानों को डेमो के रूप में मॉक ड्रील करके दिखाया गया फिर ई–लाटरी द्वारा चयन किया गया।

गुरुवार को 166 कृषको का चयन किया गया। 10 हजार रुपये से अधिक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए शुक्रवार को 27 कस्टम हायरिंग सेंटर, तीन कंबाइन हार्वेस्टर, पांच स्माल गोदाम और दो चौफ कटर के लिए किसानों का चयन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन उप परियोजना निदेशक आत्मा डा. रमेश चंद्र यादव ने किया।

पहली बार ई–लाटरी से कृषि यन्त्रो हेतु कृषको के चुनाव की प्रक्रिया को किसानों ने सराहा।

इस मौके पर उप जिलाधिकारी प्रजाक्ता त्रिपाठी , डीडी एजी हिमांशु पाडें, डीडी एससी वाराणसी प्रमोद सिंह, जिला कृषि अधिकारी के के सिंह ,एलडीएम शंकर सामंत, जिला गन्ना अधिकारी सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

राम मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह निर्विघ्न सम्पन्न कराने के लिए मथुरा में महायज्ञ

एजेन्सी

मथुरा। अयोध्या में राम मन्दिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निर्विघ्न सम्पन्न होने की कामना के साथ कान्हा नगरी मथुरा के काली मन्दिर में 12 जनवरी से पंचकुंडीय सहस्त्रचण्डी महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह यज्ञ हर साल विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए यानी सर्व जन हिताय सर्व जन सुखाय के लिए आयोजित किया जाता है लेकिन इस वर्ष यह यज्ञ राम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ गया है। यज्ञ वास्तव में 13 जनवरी से शुरु होकर 20 जनवरी तक चलेगा मगर मथुरा की धार्मिक परंपरा के अनुसार 12 जनवरी को यमुना पूजन होगा जिसमें यमुना का पंचामृत अभिषेक होगा तथा यमुना को उसी दिन चुनरी धारण कराई जाएगी जिसे चुनरी मनोरथ कहते हैं। इसमें लगभग 125 धोतियों या साड़ियों को यमुना को धारण कराया जाएगा। मान्यता है कि यमुना पूजन से सभी कार्य निर्विघ्न रूप से सम्पन्न होते हें। काली मन्दिर मथुरा कैन्ट के महन्त आचार्य दिनेश चतुर्वेदी ने बताया कि चुनरी मनोरथ के बाद शोभा यात्रा यानी महिलाओं की कलश यात्रा विश्राम घाट से 12 जनवरी को 11 बजे चलेगी जो काली मन्दिर मथुरा कैण्ट में समाप्त होगी। उनका कहना था कि चुनरी मनोरथ को पूरा करने में बहुत समय लगता हैं। उन्होंने बताया कि पंचकुंडीय महायज्ञ में चार कुडों में वाह्य रूप से अग्नि प्रज्वलित होती है और पांचवां कुंड सूर्यदेव का होता है।

बीजेपी ने कसा तंज कहा, इतिहास ने जब भी करवट ली, कांग्रेस ने हमेशा बहिष्कार किया

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को कहा कि देश के इतिहास ने जब भी करवट ली। कांग्रेस ने उसका साथ देने की बजाय बहिष्कार किया और इसीलिए जनता चुनाव–दर–चुनाव कांग्रेस का बहिष्कार कर रही है। भाजपा के प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने यहां पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं के नहीं जाने के फैसले को लेकर कांग्रेस पार्टी और उनकी मानसिकता पर कड़ा प्रहार किया। श्री त्रिवेदी ने कहा,'' भारत का इतिहास जब भी करवट लेता है तब उस अवसर में शामिल होने या फिर उसका साथ देने के की जगह कांग्रेस पार्टी उसका बहिष्कार करती है। नए संसद भवन के निर्माण ,जी 20 की भारत की अध्यक्षता, जीएसटी टेक्स स्ट्रक्चर, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद या फिर वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का अभिभाषण हो, कारगिल विजय दिवस का मनाने की बात हो, 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण हो, या फिर उन्हीं के पार्टी के नेता रहे पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी को भारत रत्न प्रदान किये जाने की बात हो, कांग्रेस पार्टी सभी का बहिष्कार करती आई है। आज राममंदिर उद्घाटन की बात क्यों ना हो इस मौके पर भी कांग्रेस पार्टी इसका बहिष्कार कर रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी के इसी बहिष्कार के चलते जनता अब कांग्रेस पार्टी का बहिष्कार कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपनी प्रवृति के अनुरुप चल रही है और उसी के हिसाब से कार्य कर रही है, जो कि कांग्रेस पार्टी की सिकुड़ती मानसिकता को दर्शा रही है। श्री त्रिवेदी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु का भी जिक्र करते हुए कहा,'' उनके समय में जब सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन मई 1951 में हुआ तब नेहरु जी ने तर्क रहित बात कहकर उसके निमंत्रण को खारिज किया था। जिसमें पंडित नेहरु ने लिखा था कि.... इस कठिन समय में समारोह के लिए मेरा दिल्ली से आना संभव नहीं है.. मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि मैं इस पुनुरुत्थानवाद से बहुत परेशान हूं.. मेरे लिए बहुत कष्टकारक है।

कर्नाटक के मंत्री दिल्ली रवाना, राहुल निकालेंगे अंदरूनी कलह का समाधान

एजेन्सी

बेंगलुरु। कर्नाटक की 28 लोकसभा सीटों के प्रभारी मंत्री गुरुवार को कांग्रेस के शीर्ष राष्ट्रीय नेताओं के साथ बैठक में भाग लेने के लिए नयी दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

बैठक मुख्य रूप से रणनीतियों पर चर्चा करने और संसदीय चुनावों के लिए तैयारी करने के लिए आयोजित की गई है। सूत्रों ने पुष्टि की कि राहुल गांधी कर्नाटक में कांग्रेस इकाई के भीतर अंदरूनी कलह का समाधान निकालेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला के स्पष्टीकरण के बावजूद कि कोई और उपमुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा, सहकारिता मंत्री और सीएम सिद्धारमैया के वफादार के.एन. राजन्ना ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने से पहले बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कहा कि अधिक उपमुख्यमंत्री पदों के सृजन से पार्टी को मदद मिलेगी। मंत्री राजन्ना ने कहा,"अगर लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद सृजित किए जाते हैं, तो इससे पार्टी को फायदा होगा। हमने इस संबंध में आलाकमान को सुझाव दिये हैं। हम आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे।" उन्होंने कहा,"आलाकमान ने कर्नाटक की 28 एमपी सीटों के प्रभारी मंत्रियों की बैठक बुलाई है। हम सभी इसमें शामिल होंगे। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य में अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद सृजित करने का प्रस्ताव आलाकमान के समक्ष है। मंत्री राजन्ना ने कहा, हमें नहीं पता कि आलाकमान इस मुद्दे पर क्या निर्णय लेगा। उन्होंने कहा, आज राहुल गांधी के साथ बैठक होगी और मुझे नहीं पता कि बैठक में क्या चर्चा होगी। सूत्रों ने कहा कि सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डी.के. शिवकुमार के बीच दूरियां बढ़ती जा रही हैं. राज्य सिद्धारमैया केवल विधायकों को ही बोर्ड और निगमों के पदों पर बैठाने पर जोर दे रहे हैं।

शिवसेना मामले में सामना ने विधानसभा अध्यक्ष को घेरा, कहा– संविधान को कुचल दिया गया

एजेन्सी

मुंबई। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने गुरुवार को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी को असली शिवसेना के रूप में मान्यता देने के लिए महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर पर निशाना साधते हुए कहा कि चोरों के गिरोह को मान्यता देकर संविधान को कुचल दिया गया है। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के एक संपादकीय में कहा गया कि महाराष्ट्र की जनता इसमें शामिल लोगों को माफ नहीं करेगी। वहीं, इसने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधा। पार्टी के सांसद संजय राउत ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नार्वेकर को न्याय करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी लेकिन उन्होंने शिंदे के वकील के रूप में काम किया। नार्वेकर ने बुधवार को माना कि 21 जून, 2022 को शिवसेना में विभाजन के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला धड़ा ही असली राजनीतिक दल (असली शिवसेना) है और उन्होंने दोनों गुटों के किसी भी विधायक को अयोग्य नहीं ठहराया। नार्वेकर का यह फैसला शिंदे के पक्ष में आया जो मुख्यमंत्री के लिए बड़ी राजनीतिक जीत है। शिवसेना में विभाजन के 18 महीने बाद इस फैसले से शीर्ष पद के लिए शिंदे की जगह पक्की हो गई है। वहीं, लोकसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ गठबंधन में उनकी राजनीतिक ताकत भी बढ़ गई है। सत्तारूढ़ गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का अजित पवार गुट भी शामिल है। 'सामना के संपादकीय में नार्वेकर पर निशाना साधते हुए कहा गया, चोरों के गिरोह को मान्यता देकर संविधान को कुचल दिया गया। इसमें कहा गया कि अध्यक्ष का फैसला पहले से ही तय था और इसमें हैरान होने वाली कोई बात नहीं है। मराठी भाषी दैनिक अखबार ने कहा, अध्यक्ष का लंबा चौड़ा फैसला दिल्ली में उनके आकाओं ने लिखा था।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरायी तेज रफ्तार कार, हादसे में 3 लोगों की मौत

एजेन्सी

बिजनौर। यूपी के बिजनौर जिले के धामपुर क्षेत्र में एक तेज रफ्तार कार के एक ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकराने से तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीरज कुमार जादौन ने बृहस्पतिवार को बताया कि बुधवार देर रात धामपुर–स्योहारा मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार आगे जा रही ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गयी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कार सवार उज्ज्वल (28), मिथुन (27) और चंद्रदीप (28) गम्भीर रूप से घायल हो गये। एसपी ने बताया कि घायलोंको धामपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया।

सम्पादकीय

न्याय यात्रा और वाइब्रेंट गुजरात

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरु होने में महज तीन दिन रह गए हैं। 14 जनवरी को मणिपुर से राहुल गांधी फिर देश को जोड़ने वाली यात्रा पर निकलने वाले हैं। मणिपुर के जिस मैदान से यह यात्रा शुरू होनी है, उसके लिए राज्य सरकार ने मंजूरी नहीं दी है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल के मुताबिक एक हफ्ते पहले ही कार्यक्रम की अनुमति के लिए आवेदन दे दिया गया था, लेकिन अभी तक मंजूरी नहीं मिली है। राहुल गांधी की प्रस्तावित न्याय यात्रा मणिपुर से निकालने का एक खास मकसद है। पिछले साल के मई महीने से मणिपुर अशांत है। विपक्ष के कई नेता मणिपुर जाकर हालात देख चुके हैं। खुद राहुल गांधी भी वहां एक बार जाकर पीड़ितों से मिलकर आए हैं। उन्होंने संसद में बताया भी था कि किस तरह मणिपुर में अत्याचार हो रहा है। वहां महिलाओं, बच्चों और हिंसा से पीड़ित लोगों के कितने बुरे हाल हैं। मणिपुर पर अपनी पीड़ा व्यक्त करने के लिए राहुल गांधी ने संसद में भारत माता की हत्या वाला बयान भी दिया था। जिस पर उन्हें लोकसभा अध्यक्ष ने टोका था और आगे से ऐसा न करने की नसीहत दी थी। हालांकि राहुल गांधी जिस संदर्भ में यह उदाहरण दे रहे थे, वह गलत नहीं था। नेहरूजी ने भी यही बताया है कि भारत माता का मतलब भारत के लोग, यहां की नदियां, जंगल, खेत और पहाड़ हैं। इनमें से किसी का भी शोषण हो, किसी का भी हक मारा जाए, तो वह सीधे भारत की आत्मा पर, भारत मां पर प्रहार होता है। भारत मां की मूर्ति बनाकर उसकी पूजा करने से देश मजबूत नहीं होगा, बल्कि यहां के लोगों को सशक्त करने से देश मजबूत होगा। हालांकि मौजूदा केंद्र सरकार के विचार इस बारे में शायद अलग हैं। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी मुश्किल से संसद में मणिपुर पर दो–तीन पंक्तियों का बयान दिया था, लेकिन उसके अलावा न वे मणिपुर खुद गए न कोई ऐसा कदम उठाया, जिससे यह संदेश जाए कि सरकार को मणिपुर के लोगों की भी उतनी ही फिक्र है, जितनी राम मंदिर की है या वाइब्रेंट गुजरात के आयोजन की। मणिपुर की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री एम बीरेन सिंह ने राहुल गांधी की यात्रा के कार्यक्रम को मंजूरी नहीं देने के विषय में कहा कि मामले पर शविचारश हो रहा है और सुरक्षा एजेंसियों से रिपोर्ट मिलने के बाद इस पर निर्णय लिया जाएगा। वहीं पत्रकारों से बीरेन सिंह ने यह भी कहा कि मणिपुर में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति शबहुत गंभीरश है। मणिपुर में कानून व्यवस्था या सुरक्षा के नाम पर अगर कांग्रेस के कार्यक्रम को मंजूरी नहीं मिल रही है, तो इसका साफ मतलब है कि मणिपुर में भाजपा सरकार हालात सामान्य करने में नाकाम रही है। विपक्ष इसी तर्क के आधार पर बार–बार मुख्यमंत्री की बर्खास्तगी की मांग करता रहा है। लेकिन भाजपा न विपक्ष की मांग सुन रही है, न मणिपुर के लोगों की गुहार। भाजपा सरकार जब खुद विपक्ष के एक कार्यक्रम को सुरक्षा कारणों से अनुमति नहीं दे पा रही, तो यह समझा जा सकता है कि राज्य में अब हालात उसके काबू में नहीं हैं। राहुल गांधी मणिपुर से इस यात्रा को शुरु करना चाहते हैं ताकि न्याय का संदेश उस धरती से निकले, जहां इस वक्त देश सबसे अधिक नाइंसाफी देख रहा है। अफसोस की बात है कि मणिपुर सरकार के इस कदम को भाजपा की विफलता की जगह कांग्रेस को झटके की तरह मीडिया में पेश किया जा रहा है। हालांकि कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वह यात्रा मणिपुर से ही निकालेगी। वैसे यात्रा निकलने से पहले ही भाजपा नेताओं ने इसका मखौल उड़ाना शुरु कर दिया है। कोई इसे राहुल की मौजमस्ती बता रहा है, कोई राजनैतिक तौर पर रिलॉचिंग करार दे रहा है। भाजपा नेताओं के ये बयान खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे की कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं। क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी इसी तरह श्री गांधी की छवि बिगाड़ने की कोशिश हुई थी, लेकिन अपनी मंजिल पर निगाहें रखे राहुल गांधी ने रास्तों की अड़चनों की परवाह नहीं की। मणिपुर में चल रही इस राजनैतिक हलचल से प्रधानमंत्री बेशक वाकिफ होंगे, लेकिन फिलहाल उनका ध्यान राम मंदिर के उद्घाटन और वाइब्रेंट गुजरात समारोह पर है। बुधवार को इस समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अगले 25 सालों के लक्ष्य पर काम कर रहा है। उन्होंने यकीन दिलाया कि देश जल्द ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत अगर सचमुच आर्थिक तौर पर इतना सक्षम बन जाए तो हरेक देशवासी को इससे खुशी होगी। लेकिन सवाल यही है कि तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कौन सी कीमत देश को चुकानी होगी। क्या इसमें मणिपुर में सैकड़ों लोगों का बहा खून और हसदेव में लाखों पेड़ों के कटने को शहादत की तरह शामिल किया जाएगा या जरूरी निवेश की तरह। क्या 25 साल बाद के भारत के लक्ष्य में अमीर उद्योगपतियों के ही विकास की संभावनाएं हैं, जो साल दर साल अलग–अलग राज्यों में लाखों–करोड़ों के निवेश की घोषणाएं करते हैं, लाखों रोजगारों के सृजन का दावा करते हैं, या फिर सरकार ऐसी व्यवस्था भी करेगी, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र में उद्योग लगेंगे और लोगों को रोजगार मिलेगा।

तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से क्या वे कारण खत्म हो जाएंगे, जो राहुल गांधी की न्याय यात्रा का आधार हैं। क्या देश में आर्थिक गैरबराबरी खत्म होगी, क्या सामाजिक और राजनैतिक न्याय की भी संभावनाएं बनेंगी। अगर इन प्रश्नों के सकारात्मक जवाब सरकार दे सकती है तो फिर अकेले गुजरात क्यों, देश के सभी राज्यों में वाइब्रेंट जैसे विशेषण के तहत आयोजन हों और सही मायनों में सबका साथ, सबका विकास हो। अगर ऐसा नहीं हो सकता है तो फिर सारी चकाचौंध और तामझाम को असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का शगल ही मानना चाहिए। क्योंकि दस सालों में देश ने बहुत से बड़े दावे सुने हैं, अब बातें बंद और नतीजे दिखाने का वक्त है।

हिन्दी का अमृत महोत्सव कब?

डॉ रामेश्वर मिश्र

आज हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और इस अमृत महोत्सव के माध्यम से अपने देश की स्वतंत्रता संग्राम में संघर्ष करने वाले जननायकों को याद कर रहे हैं उनके याद में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन केन्द्र एवं राज्य सरकार मिल कर कर रहे हैं। इन सब कार्यों और आजादी की लड़ाई में एक महती भूमिका का निर्वहन करने वाली हिन्दी का अमृत महोत्सव कब मनाया जायेगा? यह प्रश्न विचारणीय है। हिन्दी को मजबूत करने और हिन्दी को उसका स्थान दिलाने के लिए संसदीय राजभाषा समिति की अध्यक्षता करते हुए माननीय गृह मंत्री अमित शाह जी ने देशवासियों से अपील की थी कि किसी बच्चे का उचित मानसिक विकास तभी सम्भव है जब वह मातृभाषा में पढ़ाई करता है। मातृभाषा से मतलब हिन्दी से नहीं है यह उस राज्य विशेष की भाषा है जैसे मेरे राज्य में गुजराती, फिर भी देश में एक भाषा होनी चाहिए, यदि कोई दूसरी भाषा सीखना चाहे तो वह हिन्दी होनी चाहिए। उन्होंने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि वक्त आ गया है कि राजभाषा हिन्दी को देश की एकता का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाय। इसके साथ ही साथ बताया कि हिन्दी की स्वीकार्यता स्थानीय भाषाओं के लिए नहीं बल्कि अंग्रेजी के विकल्प के रूप में होनी चाहिए। जब तक अन्य भाषाओं से शब्दों को लेकर हिन्दी को सर्वग्राही नहीं बनाया जायेगा तब तक इसका प्रचार प्रसार नहीं हो

पायेगा। यह पहली बार है जब हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के साथ–साथ हिन्दी शब्दकोष को बढ़ाने के लिए अन्य भाषाओं के शब्दों को जोड़ने की अपील की गई है।

आजादी की लड़ाई में संचार के माध्यम के रूप में बापू ने हिन्दी को ही चुना, इसके लिए उन्होंने अपने देशवासियों को समय–समय पर हिन्दी की महत्ता बताई। बापू की हिन्दी सहज, सरल, स्नेहयुक्त और अपनेपन से प्रभावित थी। गांधीयुग और बापू द्वारा राजनैतिक सक्रिय भागीदारी से पहले भी बापू ने हिन्दी की प्रशंसा करते हुए 1906 में अपनी पत्रिका इंडियन ओपिनियन में इस प्रकार लिखा है कि हिन्दी, मीठी, नम्र, ओजस्वी भाषा है। राष्ट्रभाषा की आवश्यकता का एहसास करते हुए बापू ने कहा था कि राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है। भारतवर्ष के इस गूंगेपन को दूर के लिए भारत के अधिकतम राज्यों में बोली और समझी जाने वाली हिन्दी भाषा को उपयुक्त पाकर बापू ने उसे सम्पूर्ण भारत की राष्ट्रभाषा के रूप प्रतिष्ठित और स्थापित किया। बापू ने कहा था कि हिन्दी उस भाषा का नाम है जिसे हिन्दू और मुसलमान कुदरती तौर पर बगैर प्रयत्न के बोलते हैं। हिन्दुस्तानी और उर्दू में कोई फर्क नहीं है, देवनागरी में लिखे जाने पर वह हिन्दी और अरबी में लिखे जाने पर उर्दू कही जाती है। हमारी राष्ट्रभाषा में वे सब प्रकार के शब्द आने चाहिए जो जनता में प्रचलित हो।

हिन्दी के विकास तथा राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी के बहुसंख्यक द्वारा प्रयुक्त जुबान से बापू परिचित थे जिसके सन्दर्भ में 20 अक्टूबर 1917 को गुजरात के द्वितीय शिक्षा सम्मेलन में अपने भाषण में राष्ट्रभाषा के कुछ विशेष लक्षण बताए थे जिसके अनुसार वह भाषा सरकारी नौकरों के लिए आसान होनी चाहिए, उस भाषा के माध्यम से भारत का आपसी धार्मिक, आर्थिक और राजनैतिक एकीकरण होना चाहिए, उस भाषा को भारत के ज्यादातर लोग बोलते हों तथा वह भाषा राष्ट्र के लिए आसान होनी चाहिए। उस भाषा का विचार करते समय क्षणिक एवं स्थायी स्थिति पर जोर न दिया जाय। उक्त लक्षणों को बताने के बाद बापू ने कहा कि सौभाग्य से हिन्दी भाषा में ये सारे लक्षण मौजूद हैं। हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा हो, यह बात बोली तो बहुत दिनों से जा रही थी किन्तु अब तक किसी नेता ने इस विचार को धरातल पर परिणित करने का प्रयास नहीं किया, आज यह हिन्दी भाषा की आवश्यकता का ही फल है कि लोग इस भाषा से जुड़ने लगे हैं और हिन्दी भाषा को सीखने के लिए लोग अमीरी–गरीबी, पढ़े–अनपढ़, युवा–बूढ़े का अन्तर भूलकर एक स्थान पर हिन्दी सीखने के लिए बैठने लगे हैं और सब हिन्दी सीखना और सिखाना अपना पुनीत कार्य समझ रहे हैं। 10 जनवरी को जब पूरे विश्व में शहिन्दी दिवसश मनाया गया, जिसकी शुरुआत 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने की थी। उस विश्व हिन्दी सम्मेलन में भारत के साथ मारीशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, टोबैगो एवं संयुक्त राज अमेरिका ने हिस्सा लिया था। तब से 10 जनवरी को भारत में विश्व हिन्दी दिवस सुचारू रूप से मनाया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप आज विश्व के 175 विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा पढ़ाई जा रही है, विश्व के 91 विश्वविद्यालयों में हिन्दी पीठ की स्थापना की गई है। आज पूरे विश्व में 80 करोड़ से ज्यादा लोगों के द्वारा हिन्दी बोली जाती है, अमेरिका में हिन्दी बोलने वालों की संख्या 6 लाख अड़तालीस हजार है, मारीशस में 7 लाख, अफ्रीकी देशों में लगभग 9 लाख, साथ ही नेपाल में 8 लाख लोगों द्वारा हिन्दी बोली जाती है। भारत के अतिरिक्त फिजी की राजभाषा हिन्दी है, यूनेस्को की 7 भाषाओं में हिन्दी सम्मिलित है। आज विश्व के 80 करोड़ लोगों के द्वारा हिन्दी को संयुक्त राष्ट्रसंघ की आधिकारिक भाषा बनाने पर जोर दिया जा रहा है, परन्तु भारत में हिन्दी को राष्ट्रभाषा का सम्मान कब मिलेगा, यह प्रश्न विचारणीय है। हिन्दी को राष्ट्रभाषा का सम्मान मिल सके इसलिए दक्षिण–उत्तर, पूरब–पश्चिम सबको अपने निहित क्षेत्रवाद, भाषावाद से ऊपर उठकर हिन्दी को विश्व में गौरव दिलाना ही हम सब भारतवंशियों का कर्तव्य है। आज हम विश्व हिन्दी दिवस पर यह संकल्प ले कि राष्ट्रभाषा हिन्दी के लिए अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी भाषा के माध्यम से करेंगे, यही हिन्दी का अमृत महोत्सव होगा। इस हिन्दी में दिलों को दिलों से जोड़ने का भाव है, हिन्दी जनमानस की बोली है, हिन्दी में भाषायी संकीर्णता को तोड़ने की शक्तिहै, हिन्दी में राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने का कौशल है, राष्ट्र के माटी की सोंधी खुशबू है, स्वभाषा का गर्व है, स्वराज का आभास है। ऐसी हिन्दी का राजनैतिक स्वार्थ की पूर्ति के लिए क्षेत्रीय आधार पर विरोध करना एवं हिन्दी को राष्ट्रभाषा के अधिकार से अब तक वंचित रखना अन्यायपूर्ण है।

तर्कहीनता और तर्कशीलता के दोराहे पर भारत

सर्वमित्रा सुरजन

कौआ कान लेकर उड़ गया, भारत में यह एक पुरानी कहावत है, जो लोगों में तार्किक बुद्धि के इस्तेमाल की नसीहत देती है। यानी कोई कहे कि कौआ कान लेकर उड़ गया तो बिना सोचे–समझे कौए के पीछे भागने की जगह पहले अपने कान को टटोलना चाहिए, इससे आपका वक्त और उर्जा दोनों की बचत होगी, साथ ही दुनिया के सामने आसानी से मूर्ख बन जाने की शर्मिंदगी भी नहीं उठानी पड़ेगी। इस वक्त भारत के सामने भी यही स्थिति आ गई है। अब ये जनता को तय करना है कि वो अपने कान टटोलकर मूर्ख बनाने की कोशिश करने वालों को नाकाम करती है या फिर कौए के पीछे भागने का विकल्प चुनती है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दिन नजदीक आते जा रहे हैं। भाजपा सत्ता में बैठी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इस राजनैतिक अंग की स्थापना का उद्देश्य ही भारत में हिंदुत्व का राज कायम करना है और इसके लिए अयोध्या में राम जन्मभूमि को जरिया बनाया गया। राम मंदिर के नाम पर रथयात्रा निकाल कर, समाज में हिंदू–मुसलमानों के बीच खाई बनाकर भाजपा ने अपने लिए सत्ता की सीढ़ी तैयार की। अब तक उसके हर घोषणापत्र में राम मंदिर के निर्माण का मुद्दा शामिल होता था। 22 जनवरी के बाद अब जब भी चुनाव की घोषणा होगी, ये मुद्दा घोषणापत्र से हट जाएगा। उसकी जगह शायद ज्ञानवापी और शाही ईदगाह को हटाकर वहां मंदिरों के निर्माण का ऐलान कर दिया जाएगा। इसके बाद चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री मोदी जनता से शायद यह कहेंगे कि अपने 140 करोड़ भाई–बहनों के सहयोग से, आपकी सामर्थ्य से मैंने यह महती दायित्व पूरा किया है। मैंने रामलला को उनका घर वापस दिलाया है। जिस उद्देश्य के लिए मेरा जन्म हुआ, उसे मैंने पूरा किया है। भाजपा के बाकी नेता भी इसी तरह का श्रेय श्री मोदी को देंगे और कोई आश्चर्य नहीं अगर कोई तारीफ करते–करते श्री मोदी को साक्षात देवता या अवतार ही कह दे। वैसे भी कुछ भाजपा नेता सार्वजनिक तौर पर यह कह चुके हैं कि भारत के लोगों का सौभाग्य है कि उन्हें मोदीजी जैसा प्रधानमंत्री मिला। भाजपा के नेताओं को पूरा हक है कि वे जिसकी चाहे पूजा करें, जिसे चाहे अपने सौभाग्य या दुर्भाग्य का निमित्त मानें। उन्हें यह भी हक है कि वे अपनी सत्ता बचाने के लिए चाहे धार्मिक मुद्दे का राजनीतिकरण करें या राजनीति में धर्मांधता को मिलाकर वोट हासिल करने की जुगत लगाएं। लेकिन देश की जनता को भी अपने हक पता होने चाहिए। जिन लोगों को उसने संसद और विधानसभाओं में अपनी बेहतरी के लिए, अपने भविष्य और वर्तमान को संवारने के लिए भेजा है, वो अपनी जिम्मेदारियों को पूरा कर रहे हैं या अगली बार सत्ता में आने के लिए लोगों की भावनाओं को भुना रहे हैं, ये सवाल करने की जागरूकता जनता में होनी चाहिए। अभी राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियों की हलचल पूरे देश में है। भाजपा और संघ के लोग मिलकर घर–घर अक्षत बांटने में जुट गए हैं। इसके लिए बाकायदा समितियां बनाई गई हैं। हर रिहायशी इलाके में कुछ लोगों

को जिम्मेदारी देकर, आम लोगों को साथ जोड़ने की मुहिम चलाई जा चुकी है। भाजपा और संघ के पास निष्ठावान और अनुशासित कार्यकर्ताओं की बड़ी फौज है, जिनके जरिए मंदिर के काम हो रहे हैं। लेकिन यहां भारत की तर्कशील जनता को सवाल उठाने चाहिए कि अगर भाजपा घर–घर अक्षत भेज सकती है, तो कोरोना के वक्त घर–घर मास्क, जरूरी दवाइयां, राशन और आक्सीजन की व्यवस्था क्यों नहीं करवा सकी? कोरोना के वक्त भी जब भाजपा और कई हिंदुत्ववादी मानसिकता के लोगों ने गौमूत्र पीने की नसीहत दी या श्री मोदी ने ताली–थाली बजाने का आह्वान किया, एक साथ दीए, टार्च, मोमबत्ती जलाने कहा, तब भी उनसे कड़ाई से सवाल किए जाने थे कि ध्यान भटकाने के ये पैंतरे क्यों आजमाए जा रहे हैं, क्यों नहीं लोगों को सुरक्षित रखने पर ध्यान दिया दिया जा रहा है? अगर तब कौआ कान ले गया की अफवाह पर ध्यान न देकर अपने कान टटोले होते तो देश एक बड़ी त्रासदी से बच जाता। लेकिन जनता ने तब भी उड़ते कौए के पीछे भागने का विकल्प चुना, अब भी वही गलती की जा रही है।

अयोध्या में करोड़ों की लागत से बन रहे राम मंदिर को देश की सबसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर भाजपा पेश कर रही है। लोगों की आस्था का बेजा फायदा उठाया जा रहा है। जो राम मंदिर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बन रहा है, उसे भाजपा ने अपना बताकर पेश कर दिया और होकर श्री मोदी के हाथों क्यों हो रहा है। श्री मोदी को वाराणसी से दो बार सांसद ही चुना गया है, धर्म गुरु नहीं। तर्क के आधार पर सवाल तो यह भी होना चाहिए कि जिस राम मंदिर के लिए भाजपा ने बरसों तक आंदोलन चलाया और आखिरकार उसमें सफलता मिल भी गई, तो उससे देश की जनता को क्या हासिल होगा। देश में पहले से कई ऐतिहासिक, भव्य मंदिर मौजूद हैं और उसके बाद अक्षरधाम जैसे नए मंदिर भी कई हैं। हर गली–चौराहे पर किसी पीपल या बरगद के पेड़ के नीचे मंदिर बने रहते हैं। लेकिन इनसे आखिरकार भारत के गरीब, पीड़ित इंसान को क्या मिलता है। क्या राम मंदिर बनने से सरकारी अस्पतालों में इलाज की सुविधाएं बढ़ जाएंगी और लोगों को इलाज के लिए महीनों भटकना नहीं पड़ेगा। क्या मंदिर बन जाने के बाद 80 लाख लोग पांच किलो अनाज के मोहताज नहीं रहेंगे और भारत का नाम हंगर इंडेक्स में शामिल ही नहीं होगा। क्या मंदिर बनने से लड़कियां पहले से अधिक सुरक्षित हो जाएंगी, क्या देश से अशिक्षा दूर हो जाएगी और सभी को समान शिक्षा हासिल करने के मौके मिल जाएंगे, क्या अदालतों से मुकदमों का बोझ कम हो जाएगा, क्या रोजगार की समस्या दूर हो जाएगी, क्या खेतों में फसलें लहलहाने लगेंगी और हर किसान समृद्धशाली होगा। भगवान के लिए एक पर्यायवाची दरिद्रनारायण भी बना है, तो फिर सवाल ये भी उठता है कि क्या अपने नाम पर हो रहे भव्य निर्माण और लाखों–करोड़ों रूपयों के खर्च को देखकर दरिद्रनारायण प्रसन्न होंगे। धर्म के आगे तर्क का क्या काम, या भावनाओं के आगे सवाल लाचार हो जाते हैं, ऐसी बेतुकी बातों से जनता का ध्यान बेशक भटकाया जा सकता है। लेकिन यहां फिर जनता को गौर करना होगा कि कौआ कान ले गया, जैसी कहानियां हमारे बुजुर्गों ने इसलिए गढ़ी ताकि हमें कोई आसानी से मूर्ख न बनाए, हमारे विश्वास का फायदा न उठाए। भारत में तर्कशीलता की सदियों पुरानी परंपरा रही है और इसका मकसद सामाजिक न्याय रहा है। चार्वाक से लेकर, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक , ज्ञानेश्वर, तुकाराम, पेरियार, ज्योतिबा फुले, और बाबा साहेब अम्बेडकर तक कई समाज सुधारकों ने इसी तरह तर्कशीलता से समाज को नयी राह दिखाई है। हालांकि इसका मोल भी उन्हें चुकाना पड़ा। या तो उन्हें भगवान बना दिया गया या उनकी बातों को अपनी सुविधा से प्रस्तुत किया गया।

बोतल का बेताल

तमाम चिकित्सा अनुसंधानों व दवाओं की खोज के बाद भी देश–दुनिया में यदि रोगियों की संख्या लगातार बढ़ रही है तो उसकी वजह हमारी जीवनशैली में शामिल वे कारक हैं, जिनकी घातकता का हमें बोध ही नहीं है। हमारी हवा, पानी व मिट्टी तो प्रदूषित हैं ही, लेकिन आधुनिक जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिये बाजार ने जो विकल्प हमें दिये हैं, वे भी हमारे जीवन में जहर घोल रहे हैं। बाजार ने मुनाफे के लिये सस्ते विकल्प तो दिये लेकिन साथ ही बीमारियों के लिये भी उर्वरा जमीन तैयार कर दी है। नित नये–नये शोध–अनुसंधान उन परतों को खोल रहे हैं, जो हमारे जीवन में बीमारियां बांट रही हैं। अब अमेरिका में हुए ताजा अनुसंधान में पता चला है कि हम पीने के पानी के लिये जिन प्लास्टिक की बोतलों का उपयोग करते हैं उनमें पैदा होने वाले नैनोप्लास्टिक्स कई घातक रोगों की वजह बन रहे हैं। आज सुविधा के लिये हम सफर में, स्कूल–कॉलेज तथा ऑफिस जाने के दौरान प्लास्टिक

वाली पानी की बोतल लेकर चलते हैं। अब कहा जा रहा है कि इस पानी में उत्पन्न होने वाले प्लास्टिक के सूक्ष्मकण कई रोगों को उत्पन्न कर रहे हैं। यूं तो हम जानते हैं कि प्लास्टिक से तमाम तरह के नुकसान होते हैं। लेकिन नये अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि एक लीटर पानी वाली बोतल में तीन लाख से अधिक प्लास्टिक के सूक्ष्म कण होते हैं। ये अध्ययन अमेरिका की तीन शीतल जल बेचने वाली कंपनियों की बोतलों के नमूने लेकर किया गया है। ऐसे में भारत में बिकने वाली, गुणवत्ता के लिहाज से हल्की बोतलों से यह संकट कितना बड़ा हो सकता है, अंदाज सहज ही लगाया जा सकता है। दरअसल, यह ताजा अध्ययन शोधकर्ताओं द्वारा नैनोप्लास्टिक पर केंद्रित था। बता दें कि नैनोप्लास्टिक्स माइक्रोप्लास्टिक्स से भी काफी छोटे होते हैं। हाल ही में जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल अकादमी ऑफ साइंसेज ने इस रिपोर्ट को विस्तार से प्रकाशित किया है।

दरअसल, अमेरिका में कोलंबिया विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने बेहद परिष्कृत तकनीक से बोतलबंद पानी में इन सूक्ष्म कणों की गणना की है। चिंता की बात यह है कि प्लास्टिक के सूक्ष्म कण हमारे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकते हैं। अध्ययन बताता है कि बोतलबंद पानी में प्लास्टिक कण पहले के अनुमान से बढ़कर सौ गुना अधिक संख्या में हो सकते हैं। दरअसल, ये नैनोप्लास्टिक्स आकार में इतने सूक्ष्म होते हैं कि आंतों व फेफड़ों से सीधे खून में प्रवेश कर सकते हैं। जो कालांतर हमारे दिल व दिमाग को भी प्रभावित कर सकते हैं। इनकी घातकता का खतरा इसलिए भी है कि ये माइक्रोप्लास्टिक्स की तुलना में जल्दी हमारी कोशिकाओं व रक्त में प्रवेश करके शरीर के अवयवों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने चिंता जतायी है कि प्लास्टिक के ये सूक्ष्म कण नाल के जरिये अजन्मे बच्चे की देह तक भी पहुंच सकते हैं। यहां तक चिंता जतायी जा रही है कि प्लास्टिक में मौजूद विषैले कणों से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की आशंका पैदा हो सकती है। दरअसल, सूर्य की किरणों के संपर्क में आने पर प्लास्टिक घातक टॉक्सिन उत्पन्न कर सकता है। इतना ही नहीं, शोधकर्ता सूक्ष्म कणों वाले पानी के सेवन से मधुमेह के उत्पन्न होने की संभावनाओं की ओर इशारा कर रहे हैं। एक रसायन के चलते मोटापा, मधुमेह, प्रजनन से जुड़े विकार तथा किशोरियों के शारीरिक परिवर्तनों में तेजी ला सकते हैं। इसके अलावा थैलेट्स नामक रसायन से लीवर से जुड़ा कैंसर पैदा होने तथा पुरुषों में शुक्राणुओं की संख्या कम होने की आशंका बढ़ जाती है। कहीं न कहीं प्लास्टिक की बोतलों में पाये जाने वाले रसायन लोगों के प्रतिरक्षातंत्र को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि लोग पीने के पानी के लिए परंपरागत विकल्पों को गंभीरता से लें। सुरक्षित होगा कि हम दैनिक व्यवहार में प्लास्टिक की बोतल के स्थान पर स्टील, कांच या तांबे की बोतल को प्राथमिकता दें। ये बोतल थोड़ी महंगी या भारी जरूर हो सकती हैं लेकिन सेहत के लिये अपरिहार्य हैं।

23 जनवरी से शुरू होगा 16 दिवसीय बुंदेलखंड गौरव महोत्सव, सभी जिलों में होंगे कार्यक्रम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा 23 जनवरी से 18 फरवरी तक बुंदेलखंड गौरव महोत्सव का आयोजन बुंदेलखंड के 7 जिलों झाँसी, ललितपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट और बांदा में होगा। इस महोत्सव में पर्यटकों को हैरिटेज वॉक, हॉट एयर बलून, वॉटर स्पोर्ट्स और बांदा के कलिंजर में भव्य टेंट सिटी का आनंद उठाने का अवसर मिलेगा। 16 दिनों तक चलने वाले महोत्सव का शुभारंभ 23 जनवरी को झाँसी जिले और समापन 18 फरवरी को बांदा जिले के कलिंजर फोर्ट में होना प्रस्तावित है।

बुंदेलखंड अपने गौरवशाली इतिहास, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक इमारतों और प्राकृतिक खूबसूरती के मशहूर है। बुंदेलखंड गौरव महोत्सव के द्वारा पर्यटको को इस क्षेत्र की अनगिनत गाथाएं, लोक कलाओं और खान–पान से दुनिया को रूबरू करने का प्रयास किया जाएगा।

बुंदेलखंड के इन जिलों में इस तारीख को अयोजित होगा महोत्सव

झांसीरू 23 से 25 जनवरी, ललितपुर 28 से 29 फरवरी, जालौन 1 से 2 फरवरी, हमीरपुर 5 से 6 फरवरी महोबा रू 9 से 10 फरवरी, चित्रकूटरू 13–14 फरवरी, बांदारू 16 से 17 फरवरी

पर्यटक ले सकेंगे हैरिटेज वॉक का आनंद

महोत्सव में मुख्य आकर्षण का केंद्र हैरिटेज वॉक होगी। बुंदेलखंड की वीराता का जिक्र आल्हा ऊदर की वीरा गाथाओं के बिना भला कैसे पूरा हो सकता बुंदेलखंड की ऐसी अनेकों वीर गाथाएं पर्यटकों को गौरव महोत्सव की इस वॉक में सुनने को मिलेंगी। इसकी शुरुआत झांसी से होगी। यहां लोगों को बरुआ सागर किले और रानी लक्ष्मीबाई के किले के बारे में जाने का अवसर मिलेगा।

ललितपुर में पर्यटकों को देवगढ़ स्थित दशावतार मन्दिर के बारे में जानकारी मिलेगी। गुप्त काल में बना देवगढ़ स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु को समर्पित है।

हमीरपुर में आयोजित होने वाली हैरिटेज वॉक सरीला किला और राम जानकी मंदिर का इतिहास और उसकी वास्तुकला के बारे में जानने का मौका मिलेगा।

महोबा में हैरिटेज वॉक में रहेलिया सूर्य मंदिर का इतिहास पता चलेगा, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह कोर्णार्क के सूर्य मंदिर से भी प्राचीन है।

वहीं चित्रकूट में गणेश बाग और मड़फा का किला घूम सकते हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि वह ऋषि–मुनियों का प्रिय तपोवन रहा है। अखिर में बांदा स्थित कलिंजर किले का इतिहास भी वॉक के माध्यम से जान सकते हैं, जहां का नीलकंठ मंदिर प्रसिद्ध है। पर्यटन विभाग यहां पर शानदार टेंट सिटी भी लगवा रहा है।हॉट एयर बलून और योग से होगी शुरुआत

अलग–अलग तारीख पर सभी सात जनपदों में आयोजित होने वाले गौरव महोत्सव की शुरुआत ग्रीन फायरक्रेकर शो के साथ होगी। इसके बाद लोग निःशुल्क हॉट एयर बलून की सैर और योग कर सकेंगे। महोत्सव के दौरान 3 हॉट एयर बलून की व्यवस्था होगी, जिसपर एकबार में लगभग 15 लोग सैर कर सकेंगे। इतना ही नहीं विभाग द्वारा वेलनेस टूरिज्म को ध्यान में रखते हुए योग की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा सांस्कृतिक संगीत के कार्यक्रम भी होंगे।

बुंदेलखंड में वॉटर स्पोर्ट्स की अपार संभावनाएं

वॉटर स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रखने वालों के लिए पर्यटन विभाग ने बुंदेलखंड गौरव महोत्सव में इसकी विशेष व्यवस्था की है। महोत्सव में शामिल होने वाले लोगों को बोट राइड से लेकर रिंगों राइड, ड्रैगन राइड, बनाना राइड और कायकिग जैसे वॉटर स्पोर्ट्स का अनुभव लेने का अवसर मिलेगा। वॉटर स्पोर्ट्स के अलावा म्यूजिकल इवेंट्स भी महोत्सव की भव्यता को बढ़ाएंगे। इस क्रम में झांसी के दीन

दयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, ललितपुर में श्री कल्याण सिंह ऑडिटोरियम, जालौन में टाउन हॉल

ऑडिटोरियम, हमीरपुर में पुलिस लाइन ग्राउंड, महोबा में मुक्ताकाशी मंच, कीरतसागर, चित्रकूट में रामायण

मेला मैदान और बांदा में मेला ग्राउंड कलिंजर फोर्ट में म्यूजिकल इवेंट्स का आयोजन होगा। बुंदेलखंड महोत्सव में कलिंजर फोट टेंट सिटी सबके आर्कषण का केंद्र होगी। पर्यटन विभाग ने पर्यटकों को लुभाने के लिए कलिंजर फोर्ट टेंट सिटी बनेगी, जहां पर 5 स्टार होटल जैसी सुविधाएं मिलेंगी। आधुनिक व लक्जरी टेंट सिटी बुंदेलखंड के पर्यटन को नया आयाम देगी।बुन्देलखण्ड गौरव महोत्सव

23 जनवरी 2024 से 18 फरवरी 2024 07 स्थान 16 दिवस का भव्य आयोजन

झाँसी –

23 जनवरी 2024 से 25 जनवरी 2024 वेलनेस थीम में रोजाना योग सत्र, वेलनेस सत्र, आयुर्वेद थीम के साथ खाद्य महोत्सव क्राफ्ट्स, स्थानीय व्यंजनों के साथ सांस्कृतिक संध्या जिसमें स्थनीय कला, सांस्कृतिक, और मिश्रण संगीत को प्रमोट किया जाएगा। इसके अलावा जलस्पर्धा क्रियाएँ, और हॉट एयर बैलून के साथ हेरिटेज वाक आदि का आयोजन किया जायेगा।

ललितपुर –

28 जनवरी 2024 से 29 जनवरी 2024 इको–पर्यटन ६ सांस्कृतिक थीम में रोजाना योग सत्र, देवगढ़ तथा महावीर सैंक्चुरी में हेरिटेज वाक जलस्पर्धा क्रियाएँ, सांस्कृतिक संध याएँ और हॉट एयर बैलून आदि का आयोजन किया जायेगा।

जालौन –

01 फरवरी 2024 से 02 फरवरी, 2024 सांस्कृतिक थीम में रोजाना योग सत्र, कालपी में हेरिटेज वाक जलस्पर्धा क्रियाएँ, शहर के इतिहास के साथ सांस्कृतिक संध्याएँ और हॉट एयर बैलून आदि का आयोजन किया जायेगा।

हमीरपुर –

05 फरवरी 2024 से 06 फरवरी, 2024

सांस्कृतिक थीम में रोजाना योग सत्र, हेरिटेज वाक यमुना नदी में जलस्पर्धा क्रियाएँ, सांस्कृतिक संध याएँ और हॉट एयर बैलून आदि का आयोजन किया जायेगा।

महोबा –

09 फरवरी 2024 से 10 फरवरी, 2024

सांस्कृतिक थीम में रोजाना योग सत्र, सूर्य मंदिर रहेलिया में हेरिटेज वाक कीरत सागर में जलस्पर्धा क्रियाएँ, सांस्कृतिक संध्याएँ और हॉट एयर बैलून आदि का आयोजन किया जायेगा।

चित्रकूट –

13 फरवरी 2024 से 14 फरवरी, 2024

आध्यत्मिक थीम में रोजाना योग सत्र, गणेश बाग में हेरिटेज वाक सांस्कृतिक संध्याएँ और हॉट एयर बैलून आदि का आयोजन किया जायेगा।

कालिंजर किला (बांदा)

16 फरवरी 2024 से 18 फरवरी, 2024

आक्सीजन पार्कमें योगा सत्र, सांस्कृतिक थीम पर कालिंजर किले की हेरिटेज वाक, लाइट और साउंड शो ६ प्रोजेक्शन, हॉट एयर बैलून और कैम्पिंग आदि का आयोजन किया जायेगा।

अयोध्या की रामलीला का भूमि पूजन हुआ संपन्न

भाग्य श्री,रवि किशन, मनोज कुमार,रजा मुराद सहित कई कलाकार करेंगे अभिनय

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।अयोध्या की रामलीला का भूमि पूजन साधु संतों के आशीर्वाद से सम्पन्न हुआ।इस मौके पर सिख समाज के लोग और अयोध्या की रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और महासचिव शुभम मलिक अथवा अयोध्या के विधायक श्री वेद प्रकाश गुप्ता ने भूमि पूजन संपन्न कराया उन्होंने बोला कि अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है ।यह 5 वर्षों से होती आ रही है अयोध्या की रामलीला करोना कल में शुरू हुई थी और माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी हर वर्ष शुभकामनाएं देते हैं।पत्रों के द्वारा अयोध्या की रामलीला को द्य अयोध्या की रामलीला 16 जनवरी से 20 जनवरी 2024 तक रामघाट रेलवे स्टेशन के सामने निकट सतरंगी पल अयोध्या में चलेगी ।यह अयोध्या की रामलीला का विशेष संस्करण है भगवान श्री राम मंदिर को लेकर इसमें भाग्यश्री (वेदमाती), रवि किशन (लक्ष्मण), मनोज तिवारी (परशुराम), राहुल भूचर (राम), अनिमेष (हनुमान), वेद सागर (भारत), रावण की भूमिका में जाने–माने अभिनेता मनीष शर्मा , रजा मुराद (अहिरावण), ममता जैन (सीता), रूबी चौहान (मेघनाथ), विनय (कुंभकरण), अमिता नांगिया (मंदोदरी), मैग्नीशा (सुलोचना), प्रतीक्षा चौहान (त्रिजटा), दीप्ति शर्मा (सूर्पनखा), जसमीत कौर (कौशल्या), रितु शिवपुरी (केके), मालिनी अवस्थी (मां शबरी) की भूमिका में नजर आएंगी।

अवध विवि की एनईपी परास्नातक एवं वोकेशनल की परीक्षाएं 18 जनवरी से

परास्नातक एवं वोकेशनल परीक्षा में 01 लाख 27 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत परास्नातक एवं वोकेशल पाठ्यक्रमों की परीक्षाएं 18 जनवरी से शुरू होकर 02 फरवरी तक चलेगी। यह परीक्षा दो पालियों में होगी जिसमें एक लाख 27 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। विवि के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की एनईपी स्नातक प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की परीक्षा तीन पालियों में 464 केन्द्रों पर हो रही है। इसी क्रम में एनईपी परास्नातक प्रथम व तृतीय सेमेस्टर तथा आवासीय परिसर के वोकेशल स्नातक प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की परीक्षा 18 जनवरी से शुरू हो रही है। उक्त परीक्षाएं 18 व 19 जनवरी के बाद 24 जनवरी से आगे की तिथियों में 02 फरवरी तक चलेगी। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए तैयारियां पूरी की जा चुकी है। इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों के विभागाध्यक्ष एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यो को सूचित कर दिया गया

बालकृष्ण कापसे ने ट्रस्ट के महामंत्री चम्पतराय को सौंपा ढाई कुंतल देशी घी व सोने चांदी से जड़ित वस्त्र

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। भव्य श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की तारीख जैसे जैसे नजदीक आ रही है वैसे वैसे रामलला के भक्तों के द्वारा उपहार भेंट देने वालों का तांता लगा हुआ है नासिक येवला से रामभक्त बालकृष्ण कापसे जो कापसे फाउंडेशन आफ ग्रुप के चेयरमैन है वे अपने गुरु जगद्गुरु स्वामी रघुनाथ देशिक महराज की प्रेणना से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में होने वाली पहली आरती के लिए अपने गऊशाला से निर्मित शुद्ग देशी घी ढाई कुंतल व रामलला के दरबार के लिए सोने चांदी जड़ित वस्त्र श्रीराम राम जन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के महामंत्री चम्पतराय को सौंपा बालकृष्ण कापसे का बयान आगामी 22 जनवरी को जब प्रभु श्रीराम अपने भव्य रामलला के मंदिर में विराजेगें तो उनकी पहली आरती हो वह उनके द्वारा दिये गए गऊ माता केशुद्ध देशी घी से आरती हो और उनकी संस्था दिव्यअंगों के द्वारा तैयार द्वारा तैयार किये गए सोने चांदी से जड़ित वस्त्रों को ही धारण करे रामलला ऐसी उनकी इच्छा है जिससे उनका जीवन धन्य हो जाये और उन्हें राम जी का शौभाग्य आशीर्वाद मिल जाए।

प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर वितरित किया जा रहा आह्वान पत्र

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर दीपोत्सव समेत स्वच्छता के लिए सांसद लल्लू सिंह के पत्र का वितरण सभी 54 ग्राम पंचायत में कराया जा है। यह वितरण 13 जनवरी तक चलेगा। 14 जनवरी से गांव में प्रत्येक मंदिर, देवालय व पूजा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि 22 जनवरी को 11 बजे से एक बजे के मध्य पूजन– भजन कीर्तन व प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाए। शाम को राम ज्योति जलाकर भव्य दीपोत्सव मनाया जाए। पत्र का वितरण कछौली खनुवावां, नरायनपुर, सराय चौमल, अलावलपुर, रामपुर सरधा में हुआ। इस दौरान सतीश चंद्र पांडेय, योगेश कुमार मिश्रा, शक्ति केंद्र प्रमुख आनंद सिंह पिंटू, शोभाराम वर्मा, प्रमोद मौर्य, भूपेंद्र पाण्डेय, धर्मपाल निषाद, जनार्दन पांडेय आदि मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 18 से निजी भवनों में ठप होगा निर्माण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या में प्राण– प्रतिष्ठा के दिन सरयू घाट पर दीपोत्सव का आयोजन होगा।इसके बाद आतिशबाजी की जाएगी। शासन ने कार्यक्रम के दिन अयोध्या में चिकित्सा व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए हैं। शहर के मुख्य मार्ग रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट से मंदिर मार्ग को गंदगी मुक्त किया जाएगा।मंडलायुक्त गौरव दयाल ने बताया कि सिंचाई विभाग द्वारा 1.37 किमी. तक नदी पर बैरियर बनाया जाएगा। साथ ही 18 जनवरी से किसी भी प्रकार के निजी भवनों आदि में निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाएगा, जिससे कहीं भी गंदगी व मलबे का ढेर न लगे। कुंभ मेले की तरह शौचालयों की सफाई व्यवस्था नगर निगम कराएगा।डिजिटल टूरिस्ट एप 14 जनवरी को लांच कर दिया जाएगा। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट व पार्किंग स्थल तथा शहर के महत्वपूर्ण स्थलों पर हेल्प डेस्क और खोया पाया केंद्र स्थापित होगा।

रेट माइनर्स को 26 जनवरी की परेड में शामिल किया जाए : कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गाजियाबाद। उडुप्पी रेस्टोरेंट,नवयुग मार्केट,गाजियाबाद में राष्ट्रीय सैनिक संस्था ने रेट माइनर्स को नया खिताब दिया वीर माइनर्स।

अंकुर कुमार , देवेन्द्र सिंह , मोनू कुमार , जागृति , सौरभ , नासिर , वकील हसन , मुन्ना कुरेसी ,फिरोज मलिक , नसीम मलिक ,इरसाद अंसारी , रसीद अंसारी रेट माइनर्स मे बताया कि जब हम उत्तराखंड के टनल मे फसे हुए 41 मजदूरों से मिले तो वो हमसे ऐसे गले मिलकर चिपट गए जैसे वो हमारे परिवार के सदस्य है।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर चक्र प्राप्त कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने बताया कि रेट माइनर्स विशेष तौर मे मेघालय मे काम करते है द्य जहां इन्हे एक छोटा होल काटकर जिसमे केवल एक व्यक्ति ही जा सके उतारा जाता है। रस्सी या लकड़ी की सीढ़ी के सहारे ये रेट माइनर्स वहाँ से कोयला निकालता है। बारिसों के दिनों मे होल मे पानी भरने से मौत भी हो जाती है। चूंकि सूर्य के प्रकाश , आक्सीजन और वेनटीलेसन नहीं होता इसलिए स्थिति और खराब हो जाती है । यही कारण रहा की कई हजार रेट माइनर्स की अलग अलग घटनाओ मे मौत हो गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने रेट माइनर्स प्रथा पर कुक वर्ष पहले पाबंदी लगा दी थी।

राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय सचिव गौरव सेनानी राजेन्द्र बगासी एवं राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गौरव सेनानी पी पी सिंह ने बताया की अक्सर 10 मीटर बाय 10 मीटर का 100 मीटर गहरा गड्ढा खोदा जाता है और जहां भी कोयले की परत मिलती है द्य वहाँ से होरीजेंटल खुदाई करके रेट माइनर्स कोयला निकालते है ।

उत्तराखंड मे होरीजेंटल बोरिंग करते समय जब अमेरिका की मोगर ड्रिल लोहे के जाल से टकरा जाने के कारण फेल हो गई तब रेट माइनर्स को उतारा गया और उन्होंने आश्चर्य जनक तरीके से रातों रात कार्य पूरा करा दिया।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के संयोजक राजीव खोसला ने कहा कि आज से रेट माइनर्स को वीर माइनर्स के नाम से पुकारा जाएगा । देशकाल पात्र के कारण कभी कभी प्रतिबंधित चीजों का इस्तेमाल करना भी लाभदायक होता है द्य इसलिए आज रेट माइनर्स को राष्ट्रीय सैनिक संस्था मे शामिल कर लिया गया और टोपी पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया।इतना ही नहीं प्रधानमंत्री कार्यालय को लिखा जा रहा है की इन रेट माइनर्स को 26 जनवरी की परेड मे शामिल किया जाए।

कार्यक्रम के अंत मे पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के लिए उनकी पुण्यतिथि पर दो मिनट को मौन रखा गया।

छुट्टा पशु के हमले में महिला की हुई दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम।

अयोध्या। कोतवाली क्षेत्र के उमरनी पिपरी गांव में छुट्टा पशु के हमले में करीब 65 साल की वृद्ध महिला की दर्दनाक मौत हो जाने का मामला प्रकाश में आया है। वृद्ध महिला अनारा देवी पत्नी स्वर्गीय परशुराम वर्मा बुधवार देर शाम नित्य क्रिया के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान खूनी सांड़ ने अचानक हमला करके बुरी तरह पटक पटक कर मार डाला। महिला के घर वापस न आने पर रात में परिजनों और ग्रामीणों द्वारा खोजबीन की गई। लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। पुत्र विजय बहादुर वर्मा ने बताया कि आज बृहस्पतिवार को सुबह खोजबीन के दौरान करीब 6 बजे शव बाग में झाड़ियो के पास बरामद हुआ। सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस टीम के साथ पहुंचे प्रभारी निरीक्षक लालचंद सरोज, उपनिरीक्षक जय किशोर अवस्थी द्वारा पंचनामा करके शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। वृद्धा की दर्दनाक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। मृतका के पति की मौत बीमारी के चलते करीब 2 वर्ष पहले हो चुकी है। परिवार में तीन पुत्र है।

अखिलेश बोले, इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे पर फैसला जल्द

संवाददाता

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ में पार्टी कार्यालय विधानसभा अध्यक्षों के साथ बैठक की। उन्होंने लोकसभा चुनाव की तैयारियों को विधानसभा अध्यक्षों टिप्स दिए। उन्होंने कहा इंडिया गठबंधन की बैठक लगातार चल रही है। सीट बंटवारे को लेकर सुझाव दिए गए हैं, उनकी तरफ से भी सुझाव आए हैं। गठबंधन में सीट बंटवारे पर फैसला जल्द होगा। अभी तक जो बातचीत हुई है, वह बहुत ही पॉजिटिव है। अखिलेश ने कहा है, भाजपा नकारात्मक राजनीति करने की आदी है। संविधान और लोकतंत्र पर खतरा है। सर्वाधिक 80 सीटें उत्तर प्रदेश में है, इसलिए यूपी की जिम्मेदारी भी बड़ी है। सपा कार्यकर्ताओं को भाजपा के जाल में नहीं फंसना है। सभी 80 सीटों पर भाजपा को हराने के लिए एकजुट होना होगा। भाजपा साजिश करने में माहिर है। भाजपा जनहित की राजनीति नहीं करती है। भाजपा का रवैया जन–विरोधी है। प्रदेश में जहां भी खाली जमीन है, वहां पर भाजपा के लोग कब्जा कर रहे हैं। आजकल बीजेपी वाले भू–माफिया हो गए हैं। महंगाई से सभी त्रस्त हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है। महिलाओं का उत्पीड़न हो रहा है। बच्चियों तक की सुरक्षा नहीं है। नौजवानों के लिए रोटी–रोजगार की व्यवस्था नहीं है। हर तरफ लूट मची हुई है। थाना–तहसील से लेकर ऊपर तक बिना लेन–देन के कोई काम नहीं हो रहा है। हर तरफ अराजकता है। स्वास्थ्य सेवाएं जन सामान्य को उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में इलाज और दवा की व्यवस्था बेपटरी पर हैं। मरीजों को इधर से उधर रेफर करने के खेल में लोगों की जानें जा रही है। 108 और 102 डायल एम्बुलेंस सेवा पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की यूपी डायल 100 पुलिस सेवा को भी भाजपा ने 112 बनाकर बर्बाद कर दिया। ठंड की ठिठुरती रातों में गरीबों के लिए न अलाव और न ही रैन बसेरा की व्यवस्था है। अधिकारी जश्न की तैयारियों में लगे हैं। समाजवादी पार्टी पर करोड़ों लोगों का भरोसा है। समाजवादी पीडीए–पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक सभी भाजपा सरकार के अन्याय, अत्याचार और उत्पीड़न के शिकार हैं।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश की जरुरत : अभय

संवाददाता

लखनऊ। भारत जोड़ो न्याय यात्रा को लेकर आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय नेहरू भवन पर मीडिया से मुखातिब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता अभय दुबे ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा को देश को जरूरत बताया। राहुल गांधी और कांग्रेस द्वारा सभी को न्याय मिलने तक सहयोग, संघर्ष की बात कही। श्री दुबे ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा देश पर गहरी छाप छोड़ेगी, जैसे भारत जोड़ो यात्रा को देश के करोड़ों– करोड़ लोगों का अपार समर्थन मिला वैसे ही न्याय यात्रा को भी प्रत्येक वर्ग का ऐतिहासिक समर्थन मिलेगा। आज बेरोजगारों युवाओं, कर्ज में डूबे किसानों और महंगाई की मार के बीच पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए संघर्ष करते गरीबों के साथ न्याय नही हो रहा हैं, भाजपा सरकार सिर्फ अपने उद्योगपति मित्रों के लिए काम कर रही है। भारत रोजगार संकट से जूझ रहा है। इंजीनियर कुली का काम करते हैं और पीएचडी धारक चपरासी तक के लिए आवेदन देते हैं। हर युवा को उसकी आकांक्षाओं एवं कौशल के अनुरुप रोजगार मिले। प्रधानमंत्री देश की संपत्ति अपने करीबी दोस्तों को सौंप देते हैं तो गरीब और गरीब हो जाते हैं। किसान और खेतिहर मजदूर कर्ज में डूब रहे हैं, मोदी सरकार अमीरों का कर्जा माफ कर रही है। किसान को उसकी उपज का सही दाम मिले और वह भी भारत की प्रगति के लाभार्थी मिल सके। मोदी सरकार कुछ खास बड़े व्यापारियों को समर्थन होने के कारण भारत के छोटे व्यवसाय पीड़ित हैं। एएसप को आर्थिक सहायता प्रौद्योगिकी और बुनियादी संरचना तक बेहतर पहुंच के माध्यम से बढ़ने और रोजगार पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। कांग्रेस वंचितों के अधिकारों और बेटियों के आत्मसम्मान के साथ न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमन्त्री अपनी जाति बताते हैं लेकिन जातीय जनगणना पर चुप हो जाते हैं, भाजपा सरकार ष्बेटी बचाओ'' जैसे खोखले नारे देकर महिलाओं पर अत्याचार जारी है।

सपा की सरकार बनी तो डिंपल यादव होंगी सीएम!

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के लखनऊ दफ्तर के सामने एक ऐसा पोस्टर लगा है जो का विषय बन गया है। इस पोस्टर में डिंपल यादव को यूपी के भावी मुख्यमंत्री के तौर पर दिखाया गया है। इस पोस्टर के पीछे की कहानी को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। लखनऊ में समाजवादी पार्टी के दफ्तर के सामने अक्सर कई पोस्टर लगे होते हैं। कई बार ये पोस्टर खबरों की सुर्खियां बन जाते हैं लेकिन इस बार डिंपल यादव को लेकर जो पोस्टर लगा है वो सुर्खियों में आ गया है। ये होर्डिंग सपा नेता अब्दुल अजीम की ओर से लगवाई गईं है, जिसमें कंबल वितरण समारोह की जानकारी के साथ डिंपल यादव को यूपी का भावी मुख्यमंत्री बताया गया है।15 जनवरी को डिंपल यादव का जन्मदिन हैं। उससे पहले पार्टी दफ्तर के सामने ये होर्डिंग्स लगाए गए हैं। इस पोस्टर को लेकर अब कई तरह के मायने लगाए जा रहे हैं, जिसके जरिए ये कहने की कोशिश की गई है कि देश को अखिलेश यादव चलाएंगे और डिंपल यादव अब उनकी जगह यूपी की जिम्मेदारी को संभालेंगी। सपा कार्यकर्ताओं की ये सोच सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के उस बयान को काउंटर करती हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि वो प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहते है। वो खुद को यूपी में ही देखते हैं, शायद यही वजह है कि उन्होंने सांसदी छोड़कर विधायक रहने को मंजूर किया और विधानसभा में नेता विपक्ष की भूमिका में रहते है।

बायो सीएनजी संयंत्र लगाने की योजना को मिली मंजूरी

संवाददाता/लखनऊ। रियल एस्टेट परियोजनाओं के निर्माण, पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति और बायोमेडिकल वेस्ट मेनेजमेन्ट में लगी कंपनी संमित इंफ्रा लिमिटेड अल्टरनेटिव्स टुवार्ड्स अफोर्डेबल ट्रान्सपोर्टेशन स्कीम (एसएटीएटी) के तहत बायो सीएनजी संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और कंपनी को जल्द ही इस पर काम शुरू करने की उम्मीद है। यह परियोजना व्यवसाय संचालन में कई विस्तार का हिस्सा है जिसे कंपनी अगले 2–3 वर्षों में योजना बना रही है। बोर्ड का मानना है कि, बायो सीएनजी परियोजना जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को प्राप्त करने और प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल के आयात में कमी लाने और बहुत सारी विदेशी मुद्रा बचाने में राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं का समर्थन करेगी। यह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेलध्गैस की कीमतों में उतार–चढ़ाव के खिलाफ एक बफर के रूप में भी खड़ा हो सकता है, जिससे देश आत्मनिर्भर हो सकता है। भारत सरकार ने कम्प्रेस्ड बायोगैस उत्पादन संयंत्र स्थापित करने और इसे ऑटोमोटिव के लिए इसके व्यावसायिक उपयोग के लिए बाजार में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में एसएटीएटी योजना शुरू की है।

स्वामी विवेकानन्द ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण माना : रमेश भैया

हरदोई (अंबरीश कुमार सक्सेना)। अपनी ओजपूर्ण आवाज से लोगों के दिल को छू लेने वाले स्वामी विवेकानन्द निःसंदेह विश्व गुरु थे जिनके सुलझे हुए विचारों के उजाले ने धर्म की डगर से भटक रही दुनिया को सही राह दिखाई।

यह बात विनोबा सेवा आश्रम शाहजहांपुर के अधिष्ठाता रमेश भैया ने शिव सत्संग मंडल आश्रम ग्राम हुसैनापुर धौकल में आयोजित विवेकानंद जयंती उत्सव में कही।उन्होंने कहा कि निर्विवाद रूप से स्वामी विवेकानंद विश्व में सनातन धर्म के ध्वजवाहक रहे। विवेकानन्द का बौद्धिक तथा आध्यात्मिक शक्ति से भरा व्यक्तित्व और कृतित्व विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेष मिश्रा ने ने कहा कि विवेकानन्द ने अपनी अल्प आयु में ही दुनिया को बहुत कुछ दिया। उन्होंने विश्व को वेदान्त के आध्यात्मिक मार्ग से अवगत कराया। विवेकानन्द ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को बहुत महत्वपूर्ण माना। वह चाहते थे कि नौजवान पीढ़ी रूढ़िवाद से अछूती रहकर अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल देश की तरक्की के लिए करे। युवाओं के आदर्श विवेकानन्द के जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

दूरदर्शन एवं आकाशवाणी संवाददाता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय शंकर गौड़ ने बताया कि विवेकानन्द की वैचारिक क्रांति ने दुनिया को वेदान्त की शिक्षा दी और अपनी बौद्धिक और आध्यात्मिक शक्तियों से विश्व पर गहरी छाप छोड़ी।यह सब ध्यान और भजन से ही संभव है।

नई दिल्ली के दैनिक नेशनल एक्सप्रेस समूह के संपादक विपिन गुप्ता ने बताया कि अध्यात्म के प्रति उनका झुकाव बचपन से ही था और छात्र जीवन में उन्होंने पूर्वी और पश्चिमी देशों की धर्म तथा दर्शन से जुड़ी पद्धतियों का गहराई से अध्ययन किया। विवेकानन्द ने नए परिप्रेक्ष्य में धार्मिक विचारों के व्यापक प्रचार के लिए वर्ष 1897 में कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी।

व्यवस्था प्रमुख यमुना प्रसाद ने बताया कि विवेकानंद चाहते थे कि देश के युवा, रूढ़िवाद से प्रभावित हुए बगैर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को श्रद्धा के साथ निभाएं। उन्होंने कहा कि महज 39 वर्षों की जिंदगी में विवेकानंद ने आधुनिकता की दौड़ में धर्म की राह से भटक रही दुनिया को अपने विचारों की ऊर्जा से सही रास्ता दिखाया।

संयोजक रवि वर्मा ने कहा कि विवेकानंद ने साबित किया कि देश के युवा चाहें तो दुनिया में सुविचारों की क्रांति लाकर अपनी पीढ़ियों को एक आध्यात्मिक सम्पन्न विरासत दे सकते हैं।

मंडलाध्यक्ष आचार्य अशोक ने बताया कि विवेकानंद ने अपने विचारों से अमेरिकी लोगों के दिल को छुआ। उन्होंने अपनी जादुई भाषण शैली, रूहानी आवाज और क्रांतिकारी विचारों से अमेरिका के आध्यात्मिक विकास पर गहरी छाप छोड़ी। विवेकानंद ने अमेरिका और इंग्लैंड जैसी महाशक्तियों को अध्यात्म का पाठ पढ़ाकर विश्व गुरु के रूप में अपनी पहचान बनाई। विवेकानंद भारत के प्रतिनिधि के रूप में अमेरिका जाने वाले पहले राष्ट्र भक्त संत थे। उनका संदेश वेदान्त का पैगाम था। उनका मानना था कि वेदांत ही भविष्य में मानवता का धर्म होगा।

अम्बरीष कुमार सक्सेना के संचालन में हुए स्वामी विवेकानंद जयंती उत्सव का शुभारंभ रमेश भैया विपिन गुप्ता ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेष मिश्र ने दीप प्रज्वलित कर, एवं छवि ने सामूहिक ईश प्रार्थना से किया।शाहजहांपुर के रोहित वर्मा एवं योग प्रशिक्षक सत्यम ने ने प्रेरणादायी भजन सुनाया।

इस अवसर पर विनोबा सेवा आश्रम के अधिष्ठाता अधिष्ठाता, प्रख्यात समाजसेवी रमेश भैया का मंडल अध्यक्ष आचार्य अशोक , उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कुलसचिव गिरीश कुमार अवस्थी अनुराग श्रीवास्तव प्रभाकर बाजपेई शिव प्रसाद श्रीवास्तव सच्चिदानंद मिश्रा,डॉक्टर कालिका प्रसाद प्रेम कुमार यमुना प्रसाद एवं भाजपा नेता नवनीत गुप्ता एवं सच्चिदानंद मिश्रा ने स्मृति चिन्ह एवं उपलब्धि परक मोमेंटो देकर नागरिक अभिनंदन किया। इसके अलावा समाज सेविका विमला बहन, नई दिल्ली की रजनी बहन को बहन पूनम अवस्थी उमा सक्सेना मीरा देवी सुदामा देवी आदि ने सम्मानित किया। नई दिल्ली के संपादक विपिन गुप्ता एवं अभय शंकर गौड़ को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर भाजपा नेता मुकुल सिंह मुकुल सिंह चित्रकूट सेवा धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव योगेंद्र यादव संजय अग्निहोत्री आदेश शुक्ला एमएसएमई के अध्यक्ष वीरेश श्रीवास्तव समेत सैकड़ो सत्संगीजन,सभ्रांतजन मौजूद रहे।

श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के वृहद रोजगार मेला मे बेरोजगारों को रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोसाईगंज में स्थापित श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन व क्षेत्रीय सेवायोजन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान मे वृहद रोजगार मेला का आयोजन श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के गोसाई गंज लखनऊ स्थित कैंपस मे दिनांक 20 जनवरी 2024 को किया जाएगा। रोजगार के इस वृहद आयोजन मे 100 से भी ज्यादा प्रमुख कंपनियां भाग लेगी। इस मेगा जाब फेयर की अधिक जानकारी श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के बेबसाईट पर या सेवायोजन पोर्टल उपलब्ध है। इस मेगा जाब फेयर मे मीडिया, बैंकिग, आईटी, मैन्यूफैक्चिरिंगएसर्विस सैक्टर,ऑटोमोबाइल, फार्मा आदि क्षेत्रो से कंपनियां रहेगी।

जाब देने वाली कंपनियों मे एचडीएफसी बैंक, अमूल, अशोक लेलैंड, टीवी 9 भारतवर्ष, वायजूस, सोनाटा फायनेंस, बीएसएन इन्फोटेक, एचसीएल, स्टार टेक, स्योर एनर्जी, पीएनबी मेट लाईफ, एजिज, रिलायंस स्मार्ट मनी डाट काम, एल एन टी, एस यू डी लाईफ इंस्योरेंश, डेकिन, गो डिजिट, तरावी इलेक्ट्रिकल आदि कंपनिया प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगी। इस जाब मेले मे लखनऊ के सभी कालेजों के छात्र व अन्य प्रदेशों के प्रतिभागी भी उपस्थित रहेगें। श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के वायस चेयरमैन निरमेश सिंह के अनुसार आने वाले सभी छात्रों के लिए 5000 से भी ज्यादा नौकरियां होगी। संस्था के डीन प्रोफेसर विवेक मिश्रा और अशोक कुमार प्रजापति असिस्टैंट डायरेक्टर सेवा योजन विभाग लखनऊ मंडल के अनुसार आने वाले सभी छात्रों के लिए उनकी योग्यता के अनुरूप हर क्षेत्र की नौकरी की उपलब्ध होगी।

जाब फेयर मे हिस्सा लेने के लिए छात्रों को श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन के बेबसाईट https://ssimt-edu-in/job&fair-2024/ द्वारा रजिस्टर करना होगा जो कि पूरी तरह से निशुल्क है। रोजगार मेले में भाग लेने से आपको विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की संभावनाएं मिलती हैं। जिससे आप अपनी क्षमताओं और रुचियों के अनुसार सही करियर चयन कर सकते हैं। इस तरह से लखनऊ व प्रदेश के विभिन्न कालेजों व अन्य प्रदेशों के छात्रों के लिए नौकरी पाने का ये एक शानदार मौका है। श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन व क्षेत्रीय सेवायोजन विभाग उत्तर प्रदेश सरकार का यह वृहद आयोंजन हजारों छात्रों को रोजगार का अवसर देगा।

राष्ट्रीय युवा दिवस संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बहादराबाद, हरिद्वार। एस , एम, जे एन, पीजी कॉलेज के प्रांगण में राष्ट्रीय युवा दिवस नेहरू युवा केंद्र, हरिद्वार केसौजन्य से मनाया गया इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, सुरक्षा सप्ताह आयोजन की जानकारी तथा प्रधानमंत्री का भाषण टीवी के माध्यम से सुनाया गया।

इस आयोजन के मुख्य अतिथि रानीपुर के विधायक आदेश चौहान तथा महंत अखाड़ा के अध्यक्ष श्री रवि पुरी जी थे। अपने संबोधन में महंत अखाड़ा के अध्यक्ष श्री रवि पुरी जी ने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताया वही विधायक आदेश चौहान ने विवेकानंद को राष्ट्र का निर्माता बताते हुए राष्ट्रीय युवाओं का प्रेरणा स्रोत भी बताया।

उनका सम्मान सी ओ राकेश रावत तथा ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर विकास पुंडीर जी ने किया।

नेहरू युवा केंद्र हरिद्वार के संरक्षक धर्म सिंह रावत के संरक्षण में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में दीपक सैनी, भावना और खानपुर ब्लॉक से पंकज और शिवम आयुष ने उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहयोग दिया।

अंत में प्रधानाचार्य सुनील बत्रा, संयोगिता वर्मा, भुवनेश्वरी तथा मोना यादव ने उपस्थित अतिथियों तथा सहयोगियों का आभार प्रकट किया।

नाच गाने के साथ लोहड़ी मनाई जाएगी: सरदार सतपाल सिंह मीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पहली लोहड़ी बेबी इशनूर कौर D/O चनप्रीत सिंह और शालू कौर Grand Douther of Rajpal Singh] निवासी पटेल नगर आलमबाग लखनऊ की

पहली लोहड़ी बड़ी धूमधाम से अपने घर पर शौक और उत्साह से मनाएंगे क्योंकि राजपाल सिंह के पहले तीन बेटे थे और कोई बेटी नहीं थी तो अब यह उनकी पहली पोती है इसलिए घर में लक्ष्मी के आगमन की खुशियां बहुत हैं पूरे परिवार और निकटवर्ती रिश्तेदारों के साथ घर में धमाल बचेगा ढोल और नाच गाने के साथ लोहड़ी मनाई जाएगी।

लोहड़ी के त्योहार का आयोजन गुरुद्वारा साहिब भवन के मुख्यद्वार पर होगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दिनांक 13 जनवरी 2024 को सायं 8:00 बजे लोहडी के त्यौहार का विशेष आयोजन श्री गुरू सिंह सभा ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिण्डोला, लखनऊ के भवन के मुख्यद्वार पर किया गया है।

लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने कहा कि यह त्यौहार मकर संक्रान्ति की पूर्व सन्धया पर मनाया जाता है यह एक समाजिक पर्व है लोहड़ी पंजाब की लोक संस्कृति का महत्तवपूर्ण त्यौहार है।

यह त्यौहार पूरे भारतवर्ष में मनाया जाता है पंजाब में इस त्यौहार को बहुत बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। वर्ष भर इस त्यौहार का इन्तजार रहता है विशेष रूप से घर में नवविवाहिता एवं नवजात शिशु के आते ही लोहड़ी के त्यौहार की प्रतिक्षा की जाती है। ये दोनों लोहड़ी के शगुन का केन्द्र होते है। मक्के के दाने, रेवड़ी, चिड़वड़े, तिल के लडडू का प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।

समर्पण इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेस एवं समर्पण कालेज ऑफ फार्मेसी, लखनऊ ने संस्थान के निर्मल ऑडीटोरियम में संयुक्त रूप से स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समर्पण इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेस एवं समर्पण कालेज ऑफ फार्मेसी, लखनऊ ने संस्थान के निर्मल ऑडीटोरियम में संयुक्त रूप से स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सम्मानित अतिथिगण एवं वक्ता सुश्री शशी जी, क्षेत्र प्रचारिका, पूर्वी उत्तर प्रदेश, श्रीमती कंचन जी, सुश्री रंजनी, विस्तारिका, लखनऊ विभाग सुश्री मुदिता तिवारी, तरूनी प्रमुख, सुश्री पूजा जी एवं श्री अनुरक्त जी शामिल हुए। जिनका स्वागत संस्थान की प्राचार्या डॉ० दीप्ति शुक्ला द्वारा किया गया। सुश्री मुदिता तिवारी, तरूनी प्रमुख ने स्वामी विवेकानन्द जी के चरित्र चित्रण पर एक प्रेरणादायी गीत से समारोह का प्रारम्भ किया। मुख्य प्रवक्ता सुश्री शशी जी, क्षेत्र प्रचारिका, पूर्वी उत्तर प्रदेश केन्द्र ने स्वामी जी की जीवनी पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके बाल्यकाल की चंचलता, युवावस्था की प्रगतिशीलता और उनकी उपलब्धियों को अत्यधिक गहराई से बताते हुए संस्थान के छात्र–छात्राओं को उनके विचार पर आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। सुश्री रंजनी जी, क्षेत्र विस्तारिका द्वारा छात्र–छात्राओं को स्वामी विवेकानन्द जी के दिखाए गये रास्ते पर चलने हेतु प्रेरित किया गया।

समारोह के समापन में संस्थान के संस्थापक डॉ० आर०एस० दुबे, जो कि राष्ट्रीय स्वंसेवक संघ से विगत कई वर्षों से जुड़े हैं, के द्वारा सभी सम्मानित अतिथिगणों एवं वक्ताओं को भेंट देकर सम्मानित करते हुए स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिवस पर सभी छात्र–छात्राओं को बताया कि हमें जो करना है, जो कुछ भी बनना है, हम उस पर ध्यान केन्द्रीत न करके दूसरों को देखकर वैसा ही हम करने लगते हैं, जिसके कारण हम अपनी सफलता के लक्ष्य के पास होते हुए भी दूर भटक जाते हैं। इसीलिए यदि जीवन में सफल होना है तो सदा हमें अपने लक्ष्य पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

मंडलायुक्त रोशन जैकब ने किया आर्मी डे परेड की तैयारियां का निरीक्षण

संवाददाता / लखनऊ। मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब ने आर्मी डे परेड के दृष्टिगत की जा रही तैयारियां का जायजा लेने के उद्देश्य से अंबेडकर पार्क पहुंची। 14 जनवरी को आर्मी–बैंड कार्यक्रम का आयोजन अंबेडकर पार्क में किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बैठने के लिए चेयर, लाइटिंग व हॉर्टिकल्चर के कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कर लिया जाये, साथ ही गोल्फ कार्ड की भी व्यवस्था पूर्व से ही कर लिया जाए। मंडलायुक्त ने सेना के संबंधित ऑफिसर से वार्तालाप के दौरान कहां की एलडीए की तरफ से कार्य में कोई अर्चन हो तो हमें तत्काल अवगत कराये। संबंधित द्वारा बताया गया कि आपस में समन्वय बनाकर कार्य कराया जा रहा है। किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है।

शीत लहरी व ठंड से राहत दिलाने के लिए लोगो को दिलाये निजात - डीएम

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि जिले में अत्यधिक ठंड एवं शीत लहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के चलते जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत पहुंचाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। इसके दृष्टिगत जनपद में आश्रयहीन व्यक्तियों के लिए रेन बेसरोंध्शेल्टर होम विभिन्न स्थानों पर संचालित किए जा हैं। ताकि कोई भी व्यक्ति रात में सड़क या फुटपाथ पर सोने के लिए बाध्य न हो। उन्होंने बताया कि इन रैन बसेरोंध्शेल्टर होम में रुकने वाले लोगों को ठंड से बचने के लिए आवश्यक समस्त उपाय जैसे गद्दे, कंबल, स्वच्छ पेयजल, शौचालय एवं किचन आदि का प्रबंध निशुल्क एवं रैन बसेरों के आसपास अलाव जलाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत को निर्देश दिए कि शीत लहर से बचाव हेतु समस्त सुविधाएं सभी रैन बसेरों में उपलब्ध रखें, उक्त कार्य में किसी भी प्रकार के लापरवाही व शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि ठंड एवं शीत लहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत निराश्रित एवं असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों को राहत पहुंचाने हेतु अब तक जनपद में 4500 से अधिक कम्बलों का वितरण किया जा चुका है तथा वर्तमान में 256 स्थानों पर अलाव जलायें जा रहें हैं। इसी के साथ ही जिलाधिकारी ने सभी उपाधिकारियों एवं तहसीलदारों तथा नगर निकाय के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आवश्यकता अनुसार और अन्य स्थानों पर भी अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी व्यक्ति को ठंड से किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए।इसी के साथ जिलाधिकारी नीतीश कुमार ने जनपद में संचालित समस्त गौ आश्रय स्थलों में गौ वंशों को ठंड से बचाव के पर्याप्त प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने गौवंशो को ठंड से बचाव हेतु आवश्यकता अनुसार त्रिपाल ध अलाव आदि की व्यवस्था की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसी के साथ ही जिलाधिकारी ने सभी आश्रय स्थलों में सभी गौ वंशों हेतु ठंड से बचाव के समुचित प्रबंध करने के साथ गौवंशों के स्वास्थ्य का आवश्यकतानुसार परीक्षण करने तथा उनके चारे आदि की भी नियमित बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए।

जेड.आर.यू.सी.सी. सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे सौम्या माथुर को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय सलाहकार समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक से मिलकर रेल यात्रियों एवं रेल कर्मचारीयो से संबंधित विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु मांग पत्र सौंपा ।

जेड.आर.यू.सी.सी. सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे सौम्या माथुर को दिए गए ज्ञापन में गोंडा जंक्शन परिक्षेत्र को सर्वांगीण विकास हेतु अमृत भारत योजना में शामिल किए जाने, प्रयागराज आवागमन हेतु सरजू साकेत एक्सप्रेस का विस्तार गोंडा जंक्शन तक किए जाने ,15069 ध15070 इंटरसिटी का ठहराव इटियाथोक, जरवल एवं बुढ़वल तक किए जाने,गोंडा से नई दिल्ली एवं नई दिल्ली से गोंडा तक प्रतिदिन रेल सेवा का संचालन किया जाए, गोंडा जंक्शन से कानपुर तक वाया बाराबंकी एवं कानपुर से गोंडा जंक्शन वाया बाराबंकी तक प्रतिदिन मेमोध्पैसेंजर प्रतिदिन चलाई जाए ,गोंडा कचहरी रेलवे स्टेशन का नाम अमर शहीद राजेंद्र नाथ लाहडी के नाम किए जाने ,अधिवक्ताओं ,व्यापारियों कर्मचारीयो एवं छात्र–छात्राओं की सुविधा हेतु बाघ एवं आम्रपाली एक्सप्रेस ध मेल का ठहराव किए जाने,गोंडा जंक्शन परिसर में रेलवे की खाली पड़ी जमीनों पर अविलम्ब अतिक्रमण हटाने एवं रेलवे आवासों में निवास कर रहे बाहरी व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई किए जाने, करनैलगंज रेलवे स्टेशन पर सप्ताहिक गाड़ी संख्या 11112ध11111 सुशासन एक्सप्रेस का ठहराव किए जाने, गोंडा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 4,5,6 की ओर रेल यात्री टिकट सेवा केंद्र स्थापित किया जानें समेत लगभग 14 सूत्रीय मांगे जनहित में शामिल हैं।

महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे ने भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव उमेश श्रीवास्तव, रमन श्रीवास्तव,महेंद्र कुमार,जुगनू जायसवाल एवं दानिश सिद्दीकी सहित अन्य को आश्वासन दिया कि आप लोगों द्वारा दिए गए ज्ञापन एवं सुझाव पर अविलम्ब निराकरण कराया जाएगा।

यूपी ने रचा इतिहास, पहली बार दो प्रमुख शहरों ने पाया राष्ट्रीय पुरस्कार : एके शर्मा

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों से गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय पुरस्कार लेने के बाद यूपी के नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि यूपी ने एक इतिहास रच दिया है। यह पहली बार है कि प्रदेश के दो प्रमुख शहरों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। एके शर्मा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आशीर्वाद और सीएम योगी के मार्गदर्शन में हमने यूपी के शहरी प्रबंधन में बहुत बड़ा बदलाव लाया है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।